ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) (A
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में आज से

'शोध-प्रविधि : स्वरूप और सिद्धांत' पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

वर्धा, दिनांक 28 अगस्त 2012 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में दि. 29,30 एवं 31 अगस्त को शोध-प्रविधि : स्वरूप और सिद्धांत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का उदघाटन बुधवार को 12.30 बजे कुलपति विभूति नारायण राय की अध्यक्षता में हबीब तनवीर सभागार में किया जायेगा। उदघाटन समारोह में अहमदाबाद के पूर्व कुलपति प्रो. विद्युत जोशी मुख्य अतिथि तथा उदघाटक के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस संगोष्ठी में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे तथा 30 से अधिक प्रतिनिधि एवं शोधार्थी अपने आलेख प्रस्तुत करेंगे।

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध के विविध आयामों पर विस्तार से विमर्श होगा। संगोष्ठी में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से प्रो. एस. एम. चौधरी, जेएनयू से प्रो. सुबोध मालाकार, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से प्रो. हरिकेश सिंह व डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह, भागलपुर विश्वविद्यालय से प्रो. प्रमोद कुमार सिन्हा आदि विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे।

This document is created using Smart PDF Creator. To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com

29 को उदघाटन के पश्चात प्रथम सत्र में अन्तरानुशासनिकता के संदर्भ में शोध-प्रविधि का बदलता स्वरूप तथा शोध-प्रविधि की पश्चिमी केंद्रीयता और उसका प्रतिउत्तर विषय पर विशेषज्ञ के रूप में प्रो. शशि भूषण सिंह 'शीतांशु' तथा प्रो. विद्युत जोशी मार्गदर्शन करेंगे। द्वितीय सत्र शोध-प्रविधि की अवधारणा एवं चिंतन की मनोभूमि, शोध विषय का चयन तथा शोधार्थी एवं शोध- निदेशक इन दो विषयों पर होगा। दिनांक 30 अगस्त का प्रथम सत्र शोध में संदर्भ की आवश्यकता, प्रासंगिकता और प्रमाणिकता के प्रश्न तथा तथ्यों की बहुलता और उचित दृष्टिकोण का सवाल इन विषयों पर केंदित होगा। दुसरे सत्र में शोध-प्रविधि में कम्प्यूटर तथा इंटरनेट की उपयोगिता और दूरूपयोगिता के संदर्भ और शोध-प्रारूप व शोध-प्रविधि का गुणात्मक संबंध विषयों पर विशेषज्ञ विमर्श करेंगे। संगोष्ठी का समापण 31 अगस्त को 2.30 बजे होगा। समापण के पूर्व प्रतिभागी और विशेषज्ञों के बीच चर्चा सत्र होगा तथा संगोष्ठी प्रतिवेदन इसी सत्र में प्रस्तुत किया जायेगा। संगोष्ठी में उपस्थित रहने की अपील अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष तथा संगोष्ठी संयोजक डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी ने की है।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

This document was created using Smart PDF Creator
To remove this message purchase the product at www.SmartPDFCreator.com